भारत का हर युवा जोखिम लेने में है सक्षम: राज्यपाल

देहरादून में हुआ दीक्षांत समारोह, 5387 विद्यार्थियों को दीं डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान करते कुलाधिपति/राज्यपाल गुरमीत सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कुलाधिपति/राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने मंगलवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। समारोह में 5387 विद्यार्थियों को स्नातक और परास्नातक डिग्रियां, 43 विद्यार्थियों को मेडल और 24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल सिंह ने भारत की तेजी से बदलती वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की एक प्रमुख युवा शक्ति बनकर उभर रहा है। भारतीय स्टार्टअप्स की संख्या आज 1.25 लाख से अधिक हो चुकी है। छोटे शहरों और गांवों से निकले युवा खेल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि भारत का युवा जोखिम लेने में सक्षम है और चुनौतियों का सामना करने का साहस रखता है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, क्वांटम कंप्यूटिंग और मेटावर्स जैसी आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल करने की अपील की। कहा कि इन तकनीकों के माध्यम से शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। कहा कि डिग्री प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। इस अवसर पर भारतीय कंप्यूटर विज्ञान के अग्रणी और सुपर कंप्यूटर के जनक, पद्मभूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर, को डी. लिट. और टॉयमैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध, पद्मश्री अरविंद कुमार गुप्ता को डीएससी की मानद उपाधि दी गई। समारोह को तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल, कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने भी संबोधित किया।